

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG-001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य

में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 70

नोट : इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—1

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$2 \times 20 = 40$

- (i) वेदाङ्ग ज्योतिष तथा दर्शनशास्त्रों के अनुसार काल की भारतीय अवधारणा का स्वरूप लिखिए।

D-3109/CBKG-001

P. T. O.

[2]

- (ii) सृष्टि-रचना की भारतीय अवधारणा बताते हुए कालगणना में सृष्टि-रचना का महत्व लिखिए।
- (iii) काल-गणना में पृथ्वी की गतियों के ज्ञान की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—2

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×6=30

- (i) काल-ज्ञान में दर्शन और विज्ञान की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
- (ii) नक्षत्रों का परिचय दीजिए।
- (iii) मकर संक्रान्ति किसे कहते हैं ?
- (iv) भारतीय ज्योतिष में ग्रह किसे कहते हैं ?
- (v) काल के भेदों का वर्णन कीजिए।
- (vi) वेदों में काल-सम्बन्धी तत्वों का वर्णन कीजिए।
- (vii) चक्रीय काल और एकरैखिक काल में अन्तर लिखिए।

× × × × ×